ICAR-IARI organizes Rose and Marigold Field Day

New Delhi, February 16, 2026: Today, ICAR-Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New Delhi organized 'Pusa Rose and Marigold Field Day' in the research farm of the institute. The event was themed 'Rose and Marigold: A Bridge of Science, Innovation, and Farmer Prosperity.' It provided a live look at how new scientific methods are making flower farming more profitable and modern.

During the event, Dr Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI shared that the global market for flowers and decorative plants is worth over $60 billion. India is growing fast in this sector, with flower farming now covering nearly 2.9 lakh hectares and bringing in about Rs.15,000 crore annually. He explained that landscaping and flower farming are no longer just traditional hobbies, however, they have become major business that can bring real wealth to rural India.

Dr Rao informed that the institute showcased several new and improved varieties of rose and marigold. For the flower market, varieties like 'Pusa Sherbet' and 'Pusa Alpana' were displayed for their beauty, freshness and fragrance. For gardens and landscaping, varieties like 'Pusa Abhishek,' 'Pusa Ajay,' Pusa Arun and 'Pusa Lakshmi' were highlighted for their strength and bright colors.

The Dr P.S. Brahmanand, Project Director (WTC), IARI discussed about the 'Per Drop More Crop' to enhance the water use efficiency in rose and marigold. Farmers also praised marigold varieties like 'Pusa Narangi Gainda' and 'Pusa Bahar' of African Marigold and Pusa Deep, Pusa Utsav, Pusa Parv and Pusa Arpita of French Marigold which are easy to grow and stay fresh longer, helping farmers to get better prices in the market.

The event saw a huge turnout of farmers from Haryana, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, and Delhi NCR. Officials from the Delhi Jal Board, CPWD, and different horticulture offices also joined to discuss new floriculture and landscaping projects. Students from Galgotias University, Hamdard University, and NCR senior secondary schools attended to learn about the science behind rose and marigold flowers. Flower industrialists also participated the field day. With media coverage from Akashvani and Doordarshan, the event successfully sent a message that through science and hard work, flower farming can lead every farmer toward a brighter and more prosperous future.

आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने किया गुलाब एवं गेंदा फील्ड डे का आयोजन

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2026: आज भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-IARI), नई दिल्ली में 'पूसा गुलाब एवं गेंदा क्षेत्र दिवस' का संस्थान के पुष्प क्षेत्र में शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की थीम 'गुलाब एवं गेंदा: विज्ञान, नवाचार और किसान-समृद्धि का पुल' रखी गई थी। इस अवसर पर किसानों को सीधे खेतों में दिखाया गया कि कैसे विज्ञान और नई तकनीकों के जरिए फूलों की खेती को और भी ज्यादा लाभदायक बनाया जा सकता है।

संस्थान के निदेशक डॉ सी एच श्रीनिवास राव ने अपने संबोधन में बताया कि दुनिया भर में फूलों और सजावटी पौधों का बाजार 60 अरब डॉलर से भी बड़ा है। भारत भी इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जहाँ लगभग 2.9 लाख हेक्टेयर में फूलों की खेती हो रही है और इससे हर साल करीब 15,000 करोड़ रुपये की कमाई हो रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फूलों की खेती और लैंडस्केपिंग अब केवल शौक नहीं, बल्कि एक बड़ा व्यवसाय बन चुका है जो ग्रामीण भारत की किस्मत बदल सकता है।

डॉ राव ने बताया की कार्यक्रम के दौरान गुलाब और गेंदे की कई नई और उन्नत किस्में दिखाई गईं। बाजार के लिए 'पूसा शरबत' और 'पूसा अल्पना' जैसी खुशबूदार किस्में प्रदर्शित की गईं, जो लंबे समय तक ताजी रहती हैं। वहीं बगीचों और लैंडस्केपिंग के लिए 'पूसा अभिषेक', 'पूसा अजय' 'पूसा अरुण' और 'पूसा लक्ष्मी' जैसी किस्मों को उनकी मजबूती और चमक के लिए सराहा गया। किसानों को 'पूसा नारंगी गेंदा' और 'पूसा दीप' जैसी गेंदे की किस्में भी दिखाई गईं, जिनसे अच्छी पैदावार और बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है।

परियोजना निदेशक (डब्ल्यू टी सी) डॉ पी एस ब्रह्मानन्द ने गुलाब और गेंदे के फूलों में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए "प्रति बूंद अधिक फसल" के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एन सी आर के भारी संख्या में किसान शामिल हुए। दिल्ली जल बोर्ड, सी पी डब्ल्यू डी और उद्यान विभाग के अधिकारियों ने भी लैंडस्केपिंग की नई तकनीकों को समझा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी, हमदर्द यूनिवर्सिटी और स्थानीय स्कूलों के छात्रों ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। फूल उद्योग से जुड़े लोगों ने भी इस क्षेत्र दिवस में भाग लिया। आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से इस कार्यक्रम का संदेश पूरे देश तक पहुँचा कि विज्ञान के साथ जुड़कर फूलों की खेती हर किसान के जीवन में खुशहाली और समृद्धि ला सकती है।

पूसा गुलाब एवं गेंदा
क्षेत्र दिवस
दिनांक: 16 फरवरी 2026